

बच्चे के हेल्दी ग्रोथ से लेकर हड्डियों तक के लिए फायदेमंद है ये खिचड़ी, नोट कर लें रेसिपी

ठंड में लड्डू बनाते समय ना करें ये गलतियां

जब बच्चा 6 महीने का हो जाता है, तो उसकी डाइट में डेय परधर्ष दिए जाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आप बच्चे को बाजार की खिचड़ी बनाकर खिला सकती हैं। जो बच्चे के विकास में लाभकारी होती है। (नवजात बच्चा अपनी हर जरूरत के लिए मां पर निर्भर होता है। वहीं जब बच्चा 6 महीने का हो जाता है, तो उसकी डाइट में डेय परधर्ष दिए जाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि इस उम्र में बच्चे के दाढ़ नहीं निकले होते हैं। ऐसे में आप बच्चे को डाइट में तल परधर्ष शामिल कर सकते हैं। 6 महीने के बच्चों को सैलाह के लिए साबुत अनाज जैसे बाजरा, मूँग और चावल का फायदेमंद होता है।



फायदेमंद होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चे की खिचड़ी के फायदे और इसकी रेसिपी के बारे में बताते जा रहे हैं।

बाजरे की खिचड़ी की सामग्री
 बाजरा- 2 चम्मच
 मूँग दाल- 2 चम्मच
 चवल- 1 चम्मच
 सब्जियां- आपकी कटौती (बीन्स, गाजर, टमाटर)

सब्जियां- खानूनुसर (काली मिर्च, नमक, हल्दी, जीरा)
ऐसे बनाएं खिचड़ी की खिचड़ी
 बाजरे की खिचड़ी बनाने के

लिए सबसे पहले चावल, बाजरा और मूँग दाल को एक पोट के लिए धोएं।
 फिर बीन्स, गाजर और टमाटर को बारीक काट लें।
 इसके बाद चैन को गमं कर उसमें हल्दी और जीरा डाल दें।
 अब सब्जियों को में डालकर मीडियम आंच में पुरें।
 अगर आपको बच्चे की उम्र 1 साल से ज्यादा है तो इसमें आप काली मिर्च और नमक भी पड़ कर सकते हैं।
 फिर मिर्चोया पत्ता मूँग, बाजरा और चवल चैन में खलकर मिस

हवाका सा भून जाने के बाद खिचड़ी को कुकर में पकाएं और खिचड़ी फक जाने के बाद इसको हल्का सा पीस लें।
 इसके बाद चैन को गमं कर उसमें हल्दी और जीरा डाल दें।
 अब सब्जियों को में डालकर मीडियम आंच में पुरें।
 अगर आपको बच्चे की उम्र 1 साल से ज्यादा है तो इसमें आप काली मिर्च और नमक भी पड़ कर सकते हैं।
 फिर मिर्चोया पत्ता मूँग, बाजरा और चवल चैन में खलकर मिस

जाता है, जो पाचन को स्वस्थ करने के लिए जरूरी होता है। बाजरे की खिचड़ी के सेवन से बच्चे को अपच व कब्ज जैसी विकारण नहीं होगी।

हेल्दी ग्रोथ
 इस खिचड़ी के सेवन से बच्चे को हेल्दी ग्रोथ में सहायता मिलती है। वटा दें कि इस खिचड़ी में आंदन, फाइबर, विटामिन्स और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो बच्चे के विकास के लिए जरूरी माना जाता है।

हड्डियां होगी मजबूत
 इस खिचड़ी के सेवन से बच्चे की हड्डियां मजबूत होती हैं। क्योंकि इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो बोनो के विकास के लिए जरूरी माना जाता है।

मजबूत होगी मस-पेशियां
 इस खिचड़ी के सेवन से बच्चे की मस-पेशियां मजबूत होती हैं। क्योंकि इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह बच्चे की मस-पेशियों को मजबूत बनाने में सहायक होती है।

अगर आप घर पर ही एकदम परफेक्ट तरीके से लड्डू बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी थुरार सिप को कसिस्टेंसी पर खास ध्यान देना है। यदि थरानी बहुत अधिक गद्दी या पलौली होती है, तो इससे लड्डू को शेप पर असर पड़ता है।



जब ठंड का मौसम आता है तो हम सभी को थुरार क्रेमिन्स बहुत ज्यादा देना पड़ता है। इस मौसम में हम सभी तिल से लेकर नारियल तक के लिए खास ध्यान देना पड़ता है। वहीं कुछ लोग बाजार से लड्डू लेकर आते हैं। दरअसल, लड्डू बनाते समय हम असर कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जिसके वजह से आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-
इंग्रीडिएन्ट्स को ठीक या करना
 कुछ लोग अपने घर पर बनाते हैं। वहीं कुछ लोग बाजार से लड्डू को भूतने नहीं हैं और उसे ही रेसिपी में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे ये सोंधी हो जाते हैं और स्वाद

परफेक्ट तरीके से लड्डू बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी थुरार सिप को कसिस्टेंसी पर खास ध्यान देना है। यदि थरानी बहुत अधिक गद्दी या पलौली होती है, तो इससे लड्डू को शेप पर असर पड़ता है। ऐसे में जब या तो बहुत अधिक नरम या फिर एकदम सख्त हो जाता है। चराली एक तरफ को होनी चाहिए। यही लड्डू के लिए एकदम सही माना जाता है।
नमी को नजरअंदाज करना
 लड्डू बनाते समय एकदम आप तलीय यह है कि रेसिपी में या तो बहुत कम या बिनाकुल भी दूध नहीं डालना चाहिए। कुछ लोग इसमें घी भी नहीं मिलाते हैं, जिससे आठ बाज में नाम जाता है और फिर लड्डू बहुत सख्त बनते हैं। स्वाद तक कि ये दामों में बिनाकुल भी अच्छे नहीं लगते हैं।

अगर आप घर पर ही एकदम परफेक्ट तरीके से लड्डू बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी थुरार सिप को कसिस्टेंसी पर खास ध्यान देना है। यदि थरानी बहुत अधिक गद्दी या पलौली होती है, तो इससे लड्डू को शेप पर असर पड़ता है। ऐसे में जब या तो बहुत अधिक नरम या फिर एकदम सख्त हो जाता है। चराली एक तरफ को होनी चाहिए। यही लड्डू के लिए एकदम सही माना जाता है।
नमी को नजरअंदाज करना
 लड्डू बनाते समय एकदम आप तलीय यह है कि रेसिपी में या तो बहुत कम या बिनाकुल भी दूध नहीं डालना चाहिए। कुछ लोग इसमें घी भी नहीं मिलाते हैं, जिससे आठ बाज में नाम जाता है और फिर लड्डू बहुत सख्त बनते हैं। स्वाद तक कि ये दामों में बिनाकुल भी अच्छे नहीं लगते हैं।

शादी का लहंगा लेते समय नहीं करनी चाहिए ऐसी गलतियां, फैशन लॉर्स का हो सकती है शिकार



शादी का लहंगा लेते समय नहीं करनी चाहिए ऐसी गलतियां, फैशन लॉर्स का हो सकती है शिकार। शादी एक ऐसा अवसर है जो हमारे जीवन में एक अलग ही दुनिया खोलता है। इस अवसर पर हम अपने सबसे अच्छे दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर इस खास दिन को मनाते हैं। लेकिन शादी के दौरान कुछ ऐसी गलतियां हो सकती हैं, जो हमारे शादी के दिन को खराब बना सकती हैं।

आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि लहंगा लेते के दौरान किन गलतियों से बचना चाहिए।

टाइट लहंगा
 कई लड़कियां को बाँड़ी फिटिंग वाला लहंगा पहनना काफी पसंद होता है। लेकिन वटा दें कि इसमें आपको किन-किन समस्या हो सकती हैं। क्योंकि शादी के दौरान 1-2 घंटे के लिए नहीं बल्कि पूरे समय के लिए लहंगा पहनना होता है। ऐसे में शादी के लिए ऐसे लहंगे का चुनाव करना चाहिए, जिसमें आपको घुटना या फिर कोई अन्य समस्या ना हो।

आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि लहंगा लेते के दौरान किन गलतियों से बचना चाहिए।

बाँड़ी टाइट के हिस्सा का लहंगा
 अक्सर लड़कियां लहंगा लेने के दौरान अपने बाँड़ी टाइट को इतना कस देती हैं, जो उन्हें कुछ लड़कियां ऐसा लगता है। जो उनकी बाँड़ी टाइट को तिरकर ही नहीं डूब करता है। ऐसे में लड़कियों को सबसे पहले यह समझने की जरूरत होती है कि उनको बाँड़ी के हिस्से से उनपर कौन सी ड्रेस फिट बैठेगी।

नहीं कलर चॉइस
 मार्केट में कई रंगों के लहंगे मिल जाते हैं। लेकिन हर कलर आप पर अच्छे लगें, ऐसा जरूरी नहीं होता है। इसलिए आप हमेशा उस रंग का लहंगा लें, जो आपको किन-किन रंग के हिस्से से मंच करे। वहीं आहार को खास ध्यान देना होता है, उसके अलावा पर आने का शेड चुन सकती हैं। वटा दें कि दिन और रात की परेशान में लहंगे का कलर अदम मुश्किल भिजाता है।

सुर्तियों को कम करने के लिए सोने से पहले करें ये काम, ट्राई करें ये घरेलू उपाय

सुर्तियों की समस्या को कम करने के लिए महिलाम अक्सर महीने में महंगा बूटी ट्रीटमेंट लेती हैं। लेकिन कई बार इन ट्रीटमेंट के साइड इफेक्ट्स का सामना भी होता है। आज हम आपको सुर्तियों को कम करने के कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताते जा रहे हैं।

बातों की उम्र के साथ ही किनन पर सुर्तियां नरम आने लगती हैं। वहीं सुर्तियों की समस्या को कम करने के लिए महिलाएं अक्सर महीने से महंगा बूटी ट्रीटमेंट लेती हैं। लेकिन कई बार इन ट्रीटमेंट के साइड इफेक्ट्स भी होते हैं। ऐसे में अगर आप भी सुर्तियों की समस्या से परेशान हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप पढ़ियन सतत को कम करने के लिए भरपूर उपाय अपना सकती हैं। परंतु उपाय करने से किनन पर नेचुरल निहार आता है। साथ ही सुर्तियों की समस्या भी कम होती है। तो अगर इन आर्टिकल के जरिए हम आपको सुर्तियों को कम करने के कुछ घरेलू उपायों के बारे में बताते जा रहे हैं।



शुद्ध
 वटा दें कि शहद एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह किनन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में अगर आप भी सुर्तियों की समस्या से राहत पाना चाहते हैं, तो आप अपने फेस पर शहद की एक पतली परत अपनाई करें। फिर इसको फेस पर 20-30 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद धुएँ गुनगुने पानी से साफ कर लें।

एलोवैरा जेल
 वहीं एलोवैरा जेल भी किनन के लिए

काफी लाभकारी माना जाता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ई के अलावा अन्य कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो आपकी त्वचा को हेल्दी रखने में सहायक होते हैं। एलोवैरा को किनन पर लगाने से त्वचा को भी नरम बनाकर रहती है। आप सुर्तियों से

निजात पाने के लिए रोजाना एलोवैरा जेल से कर्णों को मसाज कर सकती हैं।

नारियल तेल
 नारियल तेल में फटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो आपकी किनन को पोषण देने में सहायक होता है। इसलिए

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

सर्दियों में नवजात बच्चे की इस तरह से करें देखभाल, स्ट्रांग और हेल्दी रहेगा आपका बेबी

बच्चे को ठंड से बचाने को लेकर नए पेरेंट्स के मन में कई सवाल भी बने रहते हैं। जैसे बच्चे का सही तापमान कैसे जांचे, नवजात को किनसे कपड़े पहनाएं। आज हम आपको साथ सर्दियों में बेबी केयर को लेकर कुछ टिप्स शेयर करने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में नवजात बच्चों को खास देखभाल की जरूरत होती है। क्योंकि पेरेंट्स की एक छोटी सी गलती बच्चे की सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। ऐसे में सर्दी में भी बच्चे के शरीर को तापमान सही रहने देना जरूरी है। हालांकि बच्चे को ठंड से बचाने को लेकर नए पेरेंट्स के मन में कई सवाल भी बने रहते हैं। जैसे बच्चे का सही तापमान कैसे जांचे, नवजात को किनसे कपड़े पहनाएं, जो बच्चे को सर्दियों में अशुभिका होने के बचाव लगाने होते हैं।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

कई लेयरर्स के कपड़े
 इसके साथ ही बच्चे को कपड़ों को लेयर पहनाने से बचना चाहिए। क्योंकि अधिक कपड़े पहनने से बच्चे को गर्मी भरपूर हो जाती है, जिसके कारण उनको अधिक गर्मी महसूस भी नहीं लगती।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

स्किन ही नहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने में मददगार है वैसलिन, जानिए इसके फायदे

सर्दियों के मौसम में हम सभी वैसलिन का इस्तेमाल काफी करते हैं। यह पदार्थ किनन को बहुत अच्छे से रिपर करता है। लेकिन आपको वटा दें कि वैसलिन सिर्फ किनन नहीं बल्कि बाल संबंधी कई समस्याओं को भी दूर कर सकती है। सर्दियों के मौसम में बालों और त्वचा का खास ध्यान रखना पड़ता है। क्योंकि सर्दियों में बाल खूब तो किनन डूबने के जाते हैं। हालांकि इस समस्या से निपटने के लिए हम कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन हम आप बालों को ड्राइंग से से निपटने के लिए एक अच्छे से रिपर करने के बारे में बताते हैं।

दोमैमू बाल
 जहाँ एक ओर दोमैमू बालों को बहाव से बचाने की यह खूबसूरती कम होने लगती है, तो वहीं उनको ग्रोथ भी रोक जाती है। इसलिए समय-समय पर बालों को ट्रिमिंग कराने हना चाहिए। इसके अलावा इस समस्या को आप वैसलिन का इस्तेमाल भी दूर कर सकती हैं। ऐसे में आप बालों के पेरेंट्स पर आपा तेल अर्नाई कर लें, ठेक उसी तरह से बॉडी बॉडी मसाज करने में वैसलिन का इस्तेमाल करें। तो दोमैमू बालों की समस्या से राहत मिल सकती है।



ड्रीप कंडीशनिंग
 इसके अलावा बालों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए ड्रीप कंडीशनिंग

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

किनन संबंधी समस्या को दूर करने के लिए इन 5 तरीकों से करें शहद का इस्तेमाल, मिलेंगे बेहतरीन रिजल्ट

आजकल किनी लहाइफस्टाइल के कारण लोग अपनी किनन का ध्यान नहीं रख पाते हैं। जिसके कारण उनको लवरा संबंधी परेशानियां होने लगती हैं। आज हम आपको शहद के 5 ओवरसिडेंट ट्रीटमेंट के बारे में बताते जा रहे हैं।

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। वहीं इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने में सहायक होता है। साथ शहद से आपकी किनन को नमी मिलती है। आपको वटा दें कि शहद में मौजूद एंजाइम बच्चे के लिए बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा शहद में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। यह किनन के रोमाइटी को साफ करने में सहायक होता है। इसके अलावा शहद किनन के लिए नैचुरल एक्सफोलिएट करने की तरह भी काम करता है।



आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

आपको वटा दें कि दूध में लिंबूजक एंजिफ पाया जाता है। जो किनन को एक्सफोलिएट करने में मददगार होता है। इसके लिए आप दूध से चेहरे की मसाज करें और कुछ देर लगा रहने के बाद फेस फानो से धो लें।

पीएम मोदी ग्राउंड ब्रेकिंग सेटेमनी का करेंगे उद्घाटन

पांच हजार जवान सुरक्षा की कमान संभालेंगे, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के आसपास का इलाका नो-फ्लाई ज़ोन रहेगा

जीबीसी 4.0 : आकाशवाणी पर खरे खरे युगी के आकाशवाणक जिले, कई नई प्रोजेक्टस की लेगी शुरुआत



लखनऊ। सेमेनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से 10 लाख करोड़ के माध्यम से निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ होने का एक दिन है। इसमें प्रवेश के आकाशवाणक जिले का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इसमें योगी सरकार केनेगी

जीबीसी में अग्रश्रेणिक जिले की 1,57,651 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शुभारंभ होगा, जो आंतरराष्ट्रीय स्तर पर 102 प्रतिशत से अधिक है। प्रथमर्तरी नई मेडो 19 फरवरी को तैनात की जाएगी। कमिश्नरट सेमेनी का उद्घाटन करेगा। उद्घाटन समारोह के दौरान सुरक्षा और यातायात

व्यवस्था बका-बैचैदत लेगी। करीब पांच हजार जवान सुरक्षा की कमान संभालेंगे। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के आसपास का इलाका नो-फ्लाई ज़ोन रहेगा। डीजे प्रोटेक्शन के तहत सुरक्षा बल तैनात की जाएगी। कमिश्नरट सेमेनी का उद्घाटन करेगा। उद्घाटन समारोह के दौरान सुरक्षा और यातायात

सोमनाथ में परियोजनाएं लेगी आकर जीबीसी 4.0 में गौतमबुद्धनगर में सांघीक 223887.77 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ होने का एक दिन है। इसके बाद दूसरे स्थान पर आकाशवाणक जिला सोमनाथ में सांघीक 1,21,220.62 करोड़ की परियोजनाओं में शुरू होने का एक दिन है। सोमनाथ को एक लाख करोड़ का लक्ष्य दिया गया था। इस लक्ष्य के साथ आकाशवाणक जिले ने 121.22 प्रतिशत हासिल कर लिया है। इस लक्ष्य से वा फिर्फ परियोजनाओं के विकास को भी प्रभावित मिलेगी। इसी तरह कभी नकसल गतिविधियों का जग माने जाने वाले चंदौली जिले में 23,457.61 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ होगा। इस तरह 8 आकाशवाणक जिलों में से 4 ने वत प्रतिशत से अधिक लक्ष्य हासिल कर नज़ीर पेश की है।

यूपी के विकास का दूसरा ग्वाथ इंजन यूपी का सोमनाथ, चंदौली जिला, जो कभी देश में नकसलियों से प्रभावित था, आज प्रदेश के विकास में अपनी अलग भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा छिंटौले के आतंक से प्रभावित चिखवट और पिछड़ा जिला होने का डोल रहा है। सोमनाथ, चंदौली, दुर्गम और हाहायरे वाले क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण और बेहतर कनेक्टिविटी से ये जिले यूपी के विकास के जोश इंजन बनने का रहे हैं।

परीक्षा निरस्त कराने के लिए सीएम योगी को लिखा पत्र



लखनऊ। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर बड़ा खतरा आ रहा है। पूर्व आधिकारी और आजाद अफिकर भर्ती के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेज कर उनसे परदेश सिवाही भर्ती परीक्षा के समाप्ति तक लेक की निषेध एवं पाठशाली जवा की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा के परत लेक लेने के संकेत में संवेदनशीलता पर सरकार अपना निर्णय लेना चाहिए।

जीबीसी 4.0 : एयरपोर्ट से आईजीपी तक यूपी की संस्कृति का दीदार करेंगे आगंतुक

- 350 से अधिक कलाकार नई प्रस्तुति
- एयरपोर्ट से आईजीपी तक बनेंगे 14 मंच



लखनऊ। ग्राउंड ब्रेकिंग सेमेनी (जीबीसी 4.0) में आने वाले आकाशवाणी की संस्कृति का भी दीदार करेंगे। एयरपोर्ट की प्रतिक्रिया स्वयं इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजीपी) तक 14 मंच बनाए जाएंगे, जिसमें लाम्बा 350 से अधिक कलाकार यूपी के विभिन्न लोकनृत्यों के जरिए आगंतुकों का स्वागत करेंगे।

लखनऊ। राज्यमन्त्राण चुनन के लिए आमोचक घोषित विचार जने के बाद से कभी मुश्किल कम नहीं हो रही है। विचारक को पार्टी के एक और राष्ट्रीय महासचिव सलीम शेखानी ने उन्हे पत्र भेजा है कि वह राज्यमन्त्राण टिकट न मिलने से नाउाज हो। अपने स्तरों की लेकर अखिरका हदय को लिये गए पत्र में उन्हे निम्नलिखित को उन्हा को अपेक्षित आचार्य और कालि क साग सुखमोचक का परभाव रहे रहे है।

जैन धर्मग्रन्थ विद्यासागर के निधन पर शोक



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जैन धर्मग्रन्थ विद्यासागर के निधन पर शोक व्यक्त किया है और कहा कि उनका निधन सच्चे मन से शिर पर गीरा है। उन्होंने सोलर मॉडिंग सफ्ट पर कल डिजिटल पत्र के पत्रक सभ, आधुनिकतात्मक रूप, आकाशवाणी 108 विद्यासागर जी महाराज का सुवर्णोत्सव लेना आधुनिकतात्मक जगत एवं सुवर्णोत्सव के लिए आभारणीय क्षति है। उनके निधन पर कई अन्य गुरुजनोंओं ने शोक व्यक्त किया है। सभा अध्यक्ष अशोक अक्षय यादव ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि महाराज जैन समाज के सहाय-सम्पन्न विद्वान् थे। उनके साथ-अधिकांश का माता दिवंगत थी। अस्वस्थता के भी और ले जानेलेते युवा दुःखान्तर पर भी विद्यासागर जी अमूर्तगुणियों की ज्वालना होने पर कोटि-कोटि वन्दन। उनकी चेताना-अनुभूति समेत मन-हृदय में अमर-अमर रहेगी।

ऑटो-रिक्शा चालकों ने असहियर्थियों से की मनमानी वसूली, पांच किमी का 200 रुपये किराया लिया



लखनऊ। अंजन शहर लखनऊ में सिवाही भर्ती की परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों से अर्धे, विचार चालकों ने मनमानी तरीके से किराया वसूला। राज्यमन्त्री के 113 केंद्रों पर रिक्शा को अशोक गार्गीक, पुलिस भर्ती की सिविलियन टोरी है। विचार केंद्रों में आर्थिक परीक्षा में प्रवेश के अलावा हॉलिंग, पंजाब, दिल्ली, बिहार व मध्य प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों के परीक्षार्थी शामिल हुए। हरातहत प्रिया निगमि के पहले दिन प्रवेश पर 50 पंजीयों ने परीक्षा केंद्र पर पहुंचे परीक्षार्थियों से कहा कि रस्ते बदलने पर परीक्षार्थियों के लिए बेकार व्यवस्था थी लेकिन स्टेशन के बाहर आते ही निजी वाहन, आटे व रिक्शा चालकों की मनमानी

ने बनाया कि यहाँ तक की हटौक के लिए पैसे दुकान पर हर घण्टा महंग मिल रहा है। उनसे पैसे नहीं वे कुछ चालकों की ओर से मंगये किराये को देना पड़ा। मध्य प्रदेश के सूरत कुमार ने बताया कि लखनऊ में पहले दिन आया है, यहां के बसे में कुछ छात्र जाकरो नही रहे। यहां में वे केवल रिक्शा चालक बल्कि छात्रोंका का सामना भी महंगा दिना गया। मध्य प्रदेश से खाननार तल 11 बजे चलाया रस्ते स्टेशन पर

ज्ञानवापी मस्जिद को हटाकर पूरा मंदिर बनावाएं : सुब्रमण्यम स्वामी



लखनऊ। पूर्ण संसद सुब्रमण्यम स्वामी अन्वक अन्वेषण शुरू और परमलता के दरबार में हाजीर लणां। दर्शन-पूजन के बाद परधरों से बात करते हुए कहा कि लखनऊ चुनाव में भजन केवल एक विकल्प के कारण चुनाव नहीं जीतीगी, क्योंकि वे एक व्याक की संघ में उभर कर आए हैं। मध्य प्रदेश के राज्य भाषण में सवाल उठाया है उससे पब्लिक खुश है। कुछ कम नहीं कर पाए हैं लेकिन उन ठाकुर यूपी मंत्रालय, उनमें मुझे कोई संदेह नहीं है कि भाषण चुनन जीतेगी।

सिपाही भर्ती परीक्षा का दूसरा दिन : पहली पाली में 82 सावर व नकलची गिरफ्तार



लखनऊ। सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रिकवर् के एग्जैटरीफ व सिलों की पुलिस ने पहली पाली में 82 सावर व नकलची परीक्षार्थियों को गिरफ्तार किया है। रिकवर् के ही दरारों में परीक्षा समाप्त हो रही है। पहली पाली में 10 बजे परीक्षा शुरू हुई। विचार के लिए सफर शुरू होने से ही लखनऊ में परीक्षा के सारे परीक्षार्थी केन्द्रों पर अर्थव्यर्थियों का प्रवेश प्रारंभ हुआ। अर्थव्यर्थियों को केवल आठ बजाओपटिक के बाद प्रवेश दिया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़ाकेयें प्रबंध लिये गए। परीक्षा का आयोजन डा पुलिस भर्ती एवं प्रोवैण्टी बल्टे ड्राय प्रेशन के 2378 कर्मी पर करना जा रहा है। परीक्षा के पहले दिन यूपी एग्जैटरीफ व

बुंदेलखंड बनाया नई ऊर्जा का नया ऊर्जाचल

जीबीसी 4.0 : धरातल पर उतरेंगी 182 परियोजनाएं

लखनऊ। उद्यम प्रदेश बनाने की राह पर अग्रसर उद्यम प्रदेश सोमनाथ को अब तक के सबसे बड़े सौर की भूमि पुराना का नया बनेगा। देश-विदेश के विभिन्न औद्योगिक समूहों को अब तक की गई है। यह सौर अर्थव्यर्थियों के नकल बनाने के एगन से कायदो गई है। पहले दिन डा जिले में है हुई परियोजना - आयामान 15, पत्र 15, गौरीपुर 11, मन्थ 9, सिद्धमन्थ 9, गौरीपुर 8, बारापुर 8, कानपुर 7, आधमनगर 7, खोसपुर 4, बरौली 4, फिरोजपुर 4, कोशीपुर 4, खारस 3, नरकतमनगर 2, इलाहाबाद 2, अमरा 2, नरकतमनगर 2, मेरौली 2, बलिया 2, लखनऊ 1, देवरौली 1, मुद्राबंदक 1, पण्डौरी 1 और बहरापुर 1।



182 परियोजनाएं भी शुरू होंगी। ये परियोजनाएं 1.3 लाख करोड़ से अधिक की हैं। सबसे अलग बात ये है कि येगी नया है सुवर्णभूखर्त नई ऊर्जा का नया ऊर्जाचल करने जा रहा है। यह अन्व ऊर्जा से संभव है 15 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर उतरने जा रही है। उद्यम प्रदेश न्यू ड्राइ इन्वेलपमेंट एजेंसी (यूपीनेड) के निदेशक अनुपम कुशुभ के अनुसार जीबीसी 4.0 में सौर ऊर्जा, बायो ऊर्जा, वायु स्टोरेज प्रोजेक्ट

सौरमन्त्री के परासों का अस्तर बात में कि प्रदेश के विकास के साथ-साथ ऊर्जा की मांग में भी अनवरत बढ़ते रहे हैं। ऊर्जा के परम्परागत स्रोत सीमित होने तथा उन्के दोहन से पर्यावरणीय प्रदूषण का भी खतरा बढ़ा है। ऐसे में वलिय एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर आभासी ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रयासरत हैं। योगी सरकार के परासों का ही अतिरिक्त है कि सौर ऊर्जा, वायोमन्त्री और प्रायः जल विद्युत पर आधारित कई परियोजनाओं की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होने लगे है। प्रदेश में पहले से ही डिजिटल इंडिया स्रोत परावर नखरेल और रूफ टॉप परावर जतरेशन की दिशा में कार्य थिये जा रहे हैं। इस दूर क्षेत्र में होने वाले 1.30 लाख करोड़ के निवेश से वा फिर्फ यूपी अन्व ऊर्जा का खूब बढ़ेगा, बलिये बड़े पैमाने पर रोजाजर ऊर्जा की संभावना भी बढ़ी है।